|  |
| --- |
| **पाठ योजना**  |
| **सहायक प्राध्यापक का नाम** | **श्रीमती शान देवी** |
| **कक्षा** | **बी.ए. प्रथम सेमेस्टर (S.E.C.)** |
| **विषय** | **हिंदी** |
| **जुलाई**  |  **विषय** |  **टिप्पणी** |
| सप्ताह 3 | भाषाई दक्षता का विकास,  |  |
| सप्ताह 4 | भाषाई दक्षता से तात्पर्य,भाषाई दक्षता का महत्व |  |
| **अगस्त**  |  |  |
| सप्ताह 1 | श्रवण और वाचन, पठान और लेखन |  |
| सप्ताह 2 | भाषाई दक्षता की निर्माण प्रक्रिया |  |
| सप्ताह 3 | भाषाई संरचना की समझ और विकास |  |
| सप्ताह 4 | भाषा -व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली) |  |
| **सितंबर**  |  |  |
| सप्ताह 1 | भाषाई क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्व ( आयु ,लिंग ,शिक्षा, वर्ग) |  |
| सप्ताह 2 | भाषाई दक्षता का प्रायोगिक पक्ष:भाषाई दक्षता की रणनीति- आंकलन ,लक्षण निर्धारण ,नियोजन के स्तर पर |  |
| सप्ताह 3 | शब्द सामर्थ्य : सामान्य एवं तकनीकी शब्द सुनना और बोलना : प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण ,भाषण, एकालाप, वार्तालाप |  |
| सप्ताह 4 | पुनरावृति, टेस्ट ,असाइनमेंट |  |
| **अक्टूबर**  |  |  |
| सप्ताह 1 | पढ़ने और लिखना- स्वाध्याय और उद्देश्य- केंद्रित पठन , सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन  |  |
| सप्ताह 2 | भाषाई दक्षता का व्यावहारिक पक्ष: किसी एक विषय पर भाषण ,वार्तालाप या टिप्पणी ,समूह चर्चा |  |
| सप्ताह 3 | किसी एक विषय का भाव विस्तार या पल्लवन |  |
| सप्ताह 4 | पुनरावृति ,टेस्ट ,असाइनमेंट |  |
| **नवंबर**  |  |  |
| सप्ताह 1 | द्रुत वाचन- किसी साहित्यिक कृति पर आधारित समीक्षा, पुस्तक समीक्षा, फ़िल्म समीक्षा |  |
| सप्ताह 2 | पुनरावृति |  |
| सप्ताह 3 | पुनरावृति |  |
| सप्ताह 4 | पुनरावृति |  |